अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 14.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) मोहनीय कर्म का उदय, उपशम, क्षायिक, क्षयोपशम निष्पन्न किस-किस गुणस्थान तक?

(ग) उदय के तैंतीस बोल किस-किस कर्म के उदय से?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) दया, हिंसा कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) उदय निष्पन्न यावत् पारिणामिक निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) जीव पदार्थ आत्मा कितनी? यावत् मोक्ष पदार्थ आत्मा कितनी?

(घ) आठ कर्मों का बंध, उदय, सत्ता किस-किस गुणस्थान तक?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) आठ आत्मा में सावद्य कितनी? निरवद्य कितनी?

(ख) ज्ञान, अज्ञान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) चौदह गुणस्थान छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(घ) अजीव के चौदह भेद ऊँचे, नीचे, तिरछे लोक में कितने-कितने?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) एकेन्द्रिय।

(ख) अयोगी।

(ग) तेजोलेश्या।

(घ) अभाषक।

(ड़) मनःपर्यव ज्ञानी।

(च) अपर्याप्त।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें (किसमें कितने व कौन-कौन से पाते हैं?)– 5

(क) मनयोगी में–जीव के भेद व गुणस्थान।

(ख) पृथ्वीकाय में–उपयोग व योग।

(ग) सूक्ष्म में–भाव व आत्मा।

(घ) असंज्ञी में–योग व दृष्टि।

(ड़) अचरम में–उपयोग व आत्मा।

(च) अवेदी में–गुणस्थान व लेश्या।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) दया किसे कहते हैं?

(ख) प्रमाण किसे कहते हैं?

(ग) पुलाक की परिभाषा लिखें।

(घ) पंचेन्द्रिय के जीव संज्ञी या असंज्ञी?

(ड़) आगम किसे कहते हैं?

(च) वायुकाय में योग कितने पाते हैं?

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) सम्यक्त्व के लक्षण, दूषण व भूषण अर्थ सहित लिखें।

(ख) अंतिम नौ गुणस्थानों को समझाएं।

(ग) प्रश्नोत्तर द्वार में चार इन्द्रिय वाले जीवों की पृच्छा लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) सप्तभंगी लिखें।

(ख) धर्म के दस प्रकार लिखें।

(ग) नय के दो प्रकार व्याख्या सहित लिखें।

(घ) प्रतिमा द्वार में 4, 5, 6 प्रतिमा विधि सहित लिखें।

(ड़) अंग कितने हैं? नाम लिखें।

(च) दोहा पूर्ण करें–

हिवै.....ताणज्यो ए।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर अति संक्षिप्त लिखें (प्रत्येक खण्ड में से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है)– 12

पच्चीस बोल–

(क) 17वां दण्डक।

(ख) जीव का आठवां भेद।

(ग) 33 का भांगा।

चतुर्भंगी–

(घ) बन्ध किस कर्म का उदय?

(ड़) गति जीव या अजीव?

(च) किस चारित्र के जीव कम, किस चारित्र के जीव अधिक?

पच्चीस बोल की चर्चा–किसमें व कौन-कौन से?–

(छ) तीन योग।

(ज) सोलह दण्डक।

(झ) पांच पर्याप्ति।

तत्त्व चर्चा–

(ञ) अधर्म पुण्य या पाप?

(ट) बन्ध छह में कौन? नौ में कौन?

(ठ) धूप छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें– 8

(क) त्रस दशक परिभाषा सहित लिखें।

अथवा

दर्शनावरणीय कर्म बन्ध के कारण और अबाधाकाल लिखें।

(ख) हेय-ज्ञेय-उपादेय द्वार लिखें।

अथवा

द्रव्य-गुण-पर्याय द्वार में गुण के प्रकार लिखें व विशेष गुणों को समझाएं।